शाह टाइम्स

साहित्य अकादेमी की ओर से प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर नाटककार एवं लेखक डी.पी. सिन्हा व अन्य गणमान्य लेखक।

विराट वैभव
नई दिल्ली, शनिवार, 10 अक्टूबर 2020
दिल्ली वैभव

प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमी लेखकों पर निर्मित वृत्तचित्र भी खरीद और देख सकेंगे

डीपी सिन्हा ने किया साहित्य अकादेमी की पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी द्वारा 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार को नाटककार एवं लेखक डीपी सिन्हा ने किया। उन्होंने उपस्थित पुस्तक प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकें उपलब्ध करवाकर एक बहुत बड़ा कार्य कर रही है। मैं मूलतः नाटककार हूं फिर भी साहित्य की श्रेष्ठता बनाए रखते हुए उसको पाठकों को सस्ते मूल्यों पर उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों से भली भांति परिचित हूं और इसके लिए साहित्य अकादेमी द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उसे बधाई देता हूं। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना काल में पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अकादेमी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिबरू अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का भी लोकार्पण किया गया, जो कि हाल ही में साहित्य अकादेमी ने प्रकाशित की है। ज्ञात हो कि प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में तीन हजार शीर्षकों की दस हजार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध है। पुस्तक प्रदर्शनी प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से सायं 6 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमी श्रेष्ठ भारतीय लेखकों के साथ ही विदेश लेखकों की अनूदित पुस्तकें और रवींद्रनाथ टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक के बाल साहित्य को भी खरीद सकेंगे। प्रदर्शनी में कमल किशोर गोयनका द्वारा 6 भागों में संपादित प्रेमचंद कहानी रचनावली, भीष्म साहनी द्वारा संपादित हिंदी कहानी. संग्रह तथा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर विनिबंध, उनके रचना. संचयन साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत विभिन्न भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के अनुवाद भी उपलब्ध होंगे। पाठक इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित हो रही पत्रिकाओं के पुराने अंक भी 5 रुपए की कीमत पर प्राप्त कर सकेंगे और इन पत्रिकाओं के वार्षिक,त्रैमासिक सदस्य भी बन सकेंगे। प्रदर्शनी में साहित्य अकादेमी द्वारा महत्तवपूर्ण लेखकों पर निर्मित वृत्तचित्र भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं साथ ही पुस्तक प्रेमियों के लिए इनका प्रदर्शन भी जारी रहेगा। अकादेमी दर्पण शीर्षक से एक वृत्तचित्र समारोह का भी आयोजन कर रही है, जिसके अंतर्गत 12 अक्तूबर से प्रतिदिन भारतीय भाषाओं के लेखकों पर निर्मित दो वृत्तचित्रों का प्रदर्शन सायं 4 बजे से 6 बजे के बीच किया जाएगा। निर्मल वर्मा, धर्मवीर भारती, भीष्म साहनी, गुलजार, कुंवर नारायण, गोपीचंद नारंग, मनोज दास, खुशवंत सिंह, प्रतिभा राय, गुरदयाल सिंह आदि कुछ ऐसे प्रमुख लेखक हैं जिनपर इस समारोह में वृत्तचित्र प्रदर्शित किए जाएँगे। इस अवसर पर सुरेश ऋतुपर्ण, अब्दुल बिस्मिल्लाह, रमेश कुमार मित्तल, सुमन कुमार सहित अन्य लेखक एवं पत्रकार उपस्थित थे।

शाह टाइम्स

साहित्य अकादमी की प्रदर्शनी में हैं 10 हजार पुस्तकें

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी की ओर से 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रख्यात नाटककार एवं लेखक डी.पी. सिन्हा ने किया। उन्होंने उपस्थित पुस्तक प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकें उपलब्ध करवाकर एक बहुत बड़ा कार्य कर रही है। मैं मूलत: नाटककार हूं। फिर भी साहित्य की श्रेष्ठता बनाए रखते हुए उसको पाठकों को सस्ते मूल्यों पर उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों से भली भांति परिचित हूं और इसके लिए साहित्य अकादेमी द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उसे बधाई देता हूं।

इस अवसर पर साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना काल में पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अकादेमी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिब: अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का भी लोकार्पण किया गया, जो कि हाल ही में साहित्य अकादेमी ने प्रकाशित की है। सनद रहे कि प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में तीन हजार शीर्षकों की दस हजार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध है।

पुस्तक प्रदर्शनी प्रतिदिन पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमी श्रेष्ठ भारतीय लेखकों के साथ ही विदेश लेखकों की अनूदित पुस्तकें और रवींद्रनाथ टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक के बाल साहित्य को भी खरीद सकेंगे। प्रदर्शनी में कमल किशोर गोयनका द्वारा 6 भागों में संपादित प्रेमचंद कहानी रचनावली, भीष्म साहनी द्वारा संपादित हिंदी कहानी-संग्रह तथा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर विनिबंध, उनके रचना-संचयन, साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत विभिन्न भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के अनुवाद भी उपलब्ध होंगे। पाठक इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित हो रही पत्रिकाओं के पुराने अंक भी 5 रुपए की कीमत पर प्राप्त कर सकेंगे और इन पत्रिकाओं के वार्षिक/त्रैमासिक सदस्य भी बन सकेंगे।

प्रदर्शनी में साहित्य अकादेमी द्वारा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित वृतचित्र भी बिक्री के लिए उपलबध हैं साथ ही पुस्तक प्रेमियों के लिए इनका प्रदर्शन भी जारी रहेगा। अकादेमी 'दर्पण' शीर्षक से एक वृत्तचित्र समारोह का भी आयोजन कर रही है, जिसके अंतर्गत 12 अक्तूबर से प्रतिदिन भारतीय भाषाओं के महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित दो वृत्तचित्रों का प्रदर्शन सायं 4.00 बजे से 6.00 बजे के बीच किया जाएगा।

साहित्य अकादमी की पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार शाम प्रख्यात नाटककार एवं लेखक डीपी सिन्हा ने किया। उन्होंने उपस्थित पुस्तक प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य अकादमी पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकें उपलब्ध करवाकर एक बहुत बड़ा कार्य कर रही है। मैं मूलतः नाटककार हूं फिर भी साहित्य की श्रेष्ठता बनाए रखते हुए उसको पाठकों को सस्ते मूल्यों पर उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों से भली भांति परिचित हूं और इसके लिए साहित्य अकादमी को उसके प्रयासों के लिए उसे बधाई देता हूं। यह प्रदर्शनी 23 अक्टूबर तक चलेगी।

इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना काल में पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अकादमी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। इस अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिबः अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का भी लोकार्पण किया गया, जो कि हाल ही में साहित्य अकादमी ने प्रकाशित की है।

ज्ञात हो कि प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में तीन हजार शीर्षकों की दस हज़ार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 फीसद की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 फीसद तक की छूट भी उपलब्ध है।

प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमी श्रेष्ठ भारतीय लेखकों के साथ ही विदेशी लेखकों की अनूदित पुस्तकें और रवींद्रनाथ टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक के बाल साहित्य को भी खरीद सकेंगे। प्रदर्शनी में कमल किशोर गोयनका द्वारा 6 भागों में संपादित प्रेमचंद कहानी रचनावली, भीष्म साहनी द्वारा संपादित हिंदी कहानी-संग्रह तथा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर विनिबंध, उनके रचना-संचयन, साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत विभिन्न भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के अनुवाद भी उपलब्ध होंगे। पाठक इस अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित हो रही पत्रिकाओं के पुराने अंक भी 5 रुपए की कीमत पर प्राप्त कर सकेंगे और इन पत्रिकाओं के वार्षिक/त्रैमासिक सदस्य भी बन सकेंगे। प्रदर्शनी में साहित्य अकादेमी द्वारा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित वृतचित्र भी बिक्री के लिए उपलबध हैं साथ ही पुस्तक प्रेमियों के लिए इनका प्रदर्शन भी जारी रहेगा। इस अवसर पर सुरेश ऋतुपर्ण, अब्दुल बिस्मिल्लाह, रमेश कुमार मित्तल, सुमन कुमार सहित अन्य लेखक एवं पत्रकार उपस्थित थे।

प्रख्यात नाटककार एवं लेखक डीपी सिन्हा ने किया उद्घाटन

24 भारतीय भाषाओं की पुस्तकें प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए आकर्षक छूट पर उपलब्ध

पुस्तक प्रेमी महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित वृत्तचित्र भी खरीद और देख सकेंगे

साहित्य अकादमी में पुस्तकों की प्रदर्शनी शुरू

24 भारतीय भाषाओं में 10 हजार पुस्तकें 20 % छूट पर हैं उपलब्ध

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर(नवोदय टाइम्स): साहित्य अकादमी द्वारा लगाई गई 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का शुक्रवार शाम को लेखक व नाटककार डीपी सिन्हा ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साहित्य अकादमी पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकें उपलब्ध करवाकर बहुत बड़ा कार्य कर रही है। मैं मूलत: नाटककार हूं फिर भी साहित्य की श्रेष्ठता बनाए रखते हुए उसको पाठकों को सस्ते मूल्यों पर उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों से भली भांति परिचित हूं और इसके लिए साहित्य अकादमी बधाई की पात्र है। अकादमी सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि कोरोना काल में पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अकादेमी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। इस अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिब: अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का भी लोकार्पण किया गया जो कि हाल ही में साहित्य अकादेमी ने प्रकाशित की है। प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में तीन हजार शीर्षकों की 10 हजार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध है। निर्मल वर्मा, धर्मवीर भारती, भीष्म साहनी, गुलजार, कुंवर नारायण, गोपीचंद नारंग, मनोज दास, खुशवंत सिंह, प्रतिभा राय, गुरदयाल सिंह आदि कुछ ऐसे प्रमुख लेखक हैं जिनपर इस समारोह में वृत्तचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। इस अवसर पर सुरेश ऋतुपर्ण, अब्दुल बिस्मिल्लाह, रमेश कुमार मित्तल, सुमन कुमार सहित अन्य लेखक एवं पत्रकार उपस्थित रहे।